

प्रेषक,

अर्जुन सिंह,
अपर सचिव
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
रेशम विकास विभाग,
प्रेमनगर-देहरादून।

उद्धान एवं रेशम अनुभाग:-2

देहरादून: दिनांक/2 सितम्बर,2007

विषय-वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-29 के अन्तर्गत आयोजनागत पक्ष में जिला सैक्टर की चालू योजना "रेशम उत्पादन प्रचार प्रसार" के क्रियान्वयन हेतु वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक निदेशक, रेशम के पत्रांक-1903/रेशम/तक0अनु0/बजट/2007-08 दिनांक 18 अगस्त, 2007 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है, कि चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 में शासनादेश संख्या-422/XVI/07/7(42)/2007 दिनांक-30 मई, 2007 द्वारा जिला सैक्टर की योजना "रेशम उत्पादन प्रचार प्रसार" पर व्यय हेतु लेखानुदान के माध्यम से अवमुक्त धनराशि रु0-1501000.00 (पन्द्रह लाख एक हजार मात्र) के अतिरिक्त चालू वित्तीय वर्ष की अवशेष अवधि में जिला सैक्टर की उक्त योजना पर व्यय के लिए संलग्न विवरणानुसार कुल रु0-18.81.000 (रु0 उन्नीस लाख इक्यासी हजार मात्र) की धनराशि अधोलिखित प्रतिबन्धों के अधीन आपके निर्वहन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

1. स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय जिला नियोजन एवं अनुश्रवण समिति द्वारा अनुमोदित जनपदार परिव्यय (छायाप्रति संलग्न) की सीमान्तर्गत ही किया जाय। अनुमोदित परिव्यय की सीमा से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
2. इस धनराशि का व्यय केवल चालू कार्यो के लिये ही किया जायेगा।
3. उक्त व्यय करते समय वित्त अनुभाग-1, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या 599/XXVII(1)/2007, दिनांक-12 जुलाई, 2007 (छाया प्रति संलग्न) में दिये गये दिशा-निर्देशों तथा शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों/निर्देशों एवं बजट मैनुअल के सुसंगत नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा।
4. किसी भी शासकीय व्यय हेतु भण्डार कय प्रक्रिया (स्टोर्स पर्चेस रूल्स) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिष्ठादन नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 आय व्यय सम्बन्धी नियम शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
5. अनुदान के अन्तर्गत होने वाले सम्भावित व्यय की फेजिंग त्रैमास के आधार पर शासन को उपलब्ध करायी जाय, जिससे राज्य स्तर पर कैशफ्लो निर्धारित किए जाने में किसी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न न हो।
6. निर्माण कार्य पर व्यय करने से पूर्व प्रत्येक के आगणन/पुनरीक्षित आगणनों पर प्रशासनिक तथा वित्तीय अनुमोदन के साथ-साथ आगणनों पर सक्षम अधिकारी की तकनीकी स्वीकृति भी प्राप्ता कर ली जाय।
7. व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थाई आदेशों के अन्तर्गत शासकीय तथा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो तो उसमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
8. व्यय केवल उन्हीं मदों में किया जाय, जिनके लिए यह स्वीकृति निर्गत की जा रही है, साथ ही किसी भी प्रकार के मद परिवर्तन का अधिकार विभाग के पास नहीं रहेगा।

9. व्यय की सूचना प्रपत्र बी0एम0-13 पर प्रत्येक माह की 20 तारीख तक वित्त विभाग को अवश्य उपलब्ध कराई जाय तथा धनराशि का आहरण/व्यय एकमुश्त न करके आवश्यकतानुसार ही किया जायेगा।
 10. लघु निर्माण कार्य व अन्य निर्माण कार्यो हेतु लोक निर्माण विभाग की वर्तमान प्रचलित दरों पर ही आगणन गणित करके कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।
 11. स्वीकृत की जा रही धनराशि अविलम्ब जनपदों को आवंटित कर दी जाय जिससे सम्बन्धित जनपदों के जिला योजना से संबंधित कार्य अविलम्ब सम्पादित कराये जा सके।
 12. स्वीकृत की जा रही धनराशि जनपदवार आवंटित प्लान परिव्यय के अंतर्गत ही जिला नियोजन एवं अनुश्रवण समिति द्वारा अनुमोदित कार्यो/मदों की पूर्ति में ही व्यय की जायेगी।
 13. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 में अनुदान संख्या-29 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2401-फसल कृषि कर्म-आयोजनागत-119-बागवानी और सब्जियों की फसलें-07-शहतूत की खेती एवं रेशम विकास 0791-रेशम उत्पादन प्रचार-प्रसार के अन्तर्गत संलग्न विवरण में अंकित सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।
 14. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-198 (P)/वित्त अनु0-4/2007, दिनांक-10 सितम्बर 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।
- संलग्नक-यथोपरि।

भवदीय

(अर्जुन सिंह)
अपर सचिव।

संख्या-932 /xvi/07/7(42) 2007 तददिनांकित।

प्रतिलिपि:-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग भाजरा, देहरादून।
- 2- वित्त अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन।
- 3- समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 4- बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड।
- 5- राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर देहरादून।
- 6- आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कुमायूँ मण्डल, नैनीताल।
- 7- समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 8- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(सुनील श्री पांथरी)
उप सचिव।

शासनादेश संख्या-732 /XVI/07/7(42) 2007 दिनांक 12 सितम्बर, 2007 का संलग्नक
 वित्तीय वर्ष 2006-07 में अनुदान संख्या 29 के आयोजनागत पक्ष में जिला सैक्टर की चालू योजनाओं हेतु
 प्राविधानित धनराशि के सोपक्ष स्वीकृत की जाने वाली धनराशि का विवरण।

अनुदान संख्या-29

(धनराशि हजार रुपये में)

क्र० सं०	लेखाशीर्षक / योजना / मद	वर्ष 2007-08 हेतु प्राविधानित धनराशि	लेखानुदान के अन्तर्गत अवमुक्त धनराशि	स्वीकृत की जा रही धनराशि
	-2401-फसल कृषि कर्म-आयोजनागत -119-बागवानी एवं सब्जियों की फसलें, (कमशः) -07-शहतूत की खेती एवं रेशम विकास (कमशः)			
1	0791- रेशम उत्पादन प्रचार - प्रसार			
	02- मजदूरी	2200	767	1134
	08- कार्यालय व्यय	150	67	83
	15- गाड़ियों का अनुरक्षण और पेट्रोल आदि की खरीद	200	100	100
	19- विज्ञापन विकी और विख्यापन व्यय	100	50	50
	26- मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र	250	100	86
	29- अनुरक्षण	500	167	315
	31-सामग्री और सम्पत्ति	600	250	213
	योग:-	4000	1501	1981

(रु० उन्नीस लाख इक्कासी हजार मात्र)



(अर्जुन सिंह)

अपर सचिव।